उत्तर रेलवे के चतुर्थ श्रेणी के रेलवे कर्मचारियों तथा गैंगमैनों की यूनियन का सम्मेलन

*1004. **श्री राम चरण :**
श्री मोलहू प्रसाद :
श्री लखनलाल कपूर :

क्या **रेलवे** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि 3 मार्च, 1968 को हुए उत्तर रेलवे के चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारियों तथा गैंगमैनों की यूनियन के सम्मेलन में सरकार को तीन मांगें प्रस्तुत की गई थीं;

(ख) यदि हां, तो उन मांगों पर सरकार द्वारा क्या निर्णय लिये गये हैं और उक्त मांगों के कब तक पूरी हो जाने की सम्भावना है; और

(ग) उक्त मांगों में ऐसी मांगें कितनी हैं जो सरकार पूरा नहीं करना चाहती और उसके क्या कारण हैं ?

रेलवे मंत्री (श्री चे० मु० पुनाचा) : (क) जी हां ।

(ख) और (ग). इन मांगों की जांच गुण-दोष के आधार पर की जा रही है । लेकिन इस सम्बन्ध में यह उल्लेखनीय है कि इस प्रकार के मामलों में अभ्यावेदन के लिए उचित सारणी उत्तर रेलवे की मान्यता प्राप्त यूनियनें हैं, जिन्हें रेल-प्रशासन से बातचीत करने की सुविधाएं प्राप्त हैं और जो सांवधिक रूप से गैंगमैन तथा चौथी श्रेणी के कर्मचारियों सहित सभी वर्गों के रेल कर्मचारियों के मामले उठाती हैं ।

दिल्ली में भूमिगत रेलवे

*1005. **श्री कंवर लाल गुप्त :** क्या **रेलवे** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या दिल्ली में भूमिगत रेलवे के निर्माण की कोई योजना सरकार के विचाराधीन है ;

(ख) क्या यह सच है कि दिल्ली नगर निगम और कुछ अन्य व्यक्तियों ने दिल्ली में भूमिगत रेलवे के निर्माण के लिये सरकार से प्रार्थना की है ; और

(ग) यदि हां, तो इस पर कितना धन व्यय होगा और इस से क्या लाभ होने की सम्भावना है ?

रेलवे मंत्री (श्री चे० मु० पुनाचा) : (क) जी नहीं ।

(ख) दिल्ली में भूमिगत रेलवे के निर्माण के लिए दिल्ली नगर निगम या किसी अन्य व्यक्ति से अभी तक कोई औपचारिक प्रार्थना नहीं मिली है ।

(ग) सवाल नहीं उठता ।

असिस्टेंट इंस्पैक्टर्स आंफ वर्क्स

*1006. **श्री श्रीचन्द गोयल :**
श्री रणजीत सिंह :

क्या **रेलवे** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि 205–280 रुपये के ग्रेड में कुछ असिस्टेंट इंस्पेक्टर्स आफ वर्क्स (सिविल इंजीनियरिंग के डिप्लोमाधारी) को, जो रेलवे में कुछ वर्षों तक इस पद पर काम कर चुके हैं, पश्चिम रेलवे पर आफिस क्लर्कों के पद पर लगा दिया गया है;

(ख) क्या यह भी सच है कि उन्हें आफिस क्लर्क का वेतन दिया जा रहा है;

(ग) यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं; और

(घ) क्या यह भी सच है कि सी० एम०/सी० सी० जी० द्वारा दिनांक 15 अक्तूबर, 1966 का एक पत्र संख्या 1086/30/10/वाल-3 जारी किया गया था जिसमें यह कहा गया था कि इन व्यक्तियों का वेतन इनके द्वारा पहले की गई सेवा के आधार पर निश्चित किया जायेगा ?

रेलवे मंत्री (श्री चे० मु० पुनाचा) : (क) जी हां।

(ख) से (घ). यद्यपि पश्चिम रेलवे ने प्रारम्भ में एक स्थानीय आदेश जारी किया था, जैसा कि उल्लेख किया गया है, ऐसे कर्मचारियों का वेतन अन्तिम रूप से क्लर्कों के वेतनमान (110–180 रुपये) के न्यूनतम पर तब तक के लिए निर्धारित किया गया है जब तक कि निचली कोटियों में खपाये गये फालतू रेल कर्मचारियों के वेतन-निर्धारण के सामान्य प्रश्न पर कोई निर्णय न हो जाय।

Production of Coca-Cola

*1007. SHRI SHIVA CHANDRA JHA: Will the Minister of INDUSTRIAL DEVELOPMENT AND COMPANY AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether it is a fact that Coca-cola is produced in India by a foreign company;

(b) if so, the reasons therefor and the name of the foreign company;

(c) if the reply to part (a) above be in the negative, the name of the Indian Company manufacturing Coca-cola and whether it has the patent right for its production and if not, the reasons therefor; and

(d) the total annual production of Coca-cola in India *vis-a-vis* its demand?

THE MINISTER OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT AND COMPANY AFFAIRS (SHRI F. A. AHMED): (a) and (b). Messrs. Coca-cola Export Corporation, which is a cent per cent subsidiary concern of the foreign firm Coca-cola of U.S.A., produce Coca-cola concentrate in India.

(c) Does not arise.

(d) The total production of Coca-cola concentrate in 1967 was of the order of Rs. 1.6 crores of which Coca-cola concentrate worth Rs. 1,2 crores was consumed internally.

Income from A.C., first, second and third class Coaches

*1008. SHRI SAMAR GUHA: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the money spent on building, maintaining, running and providing amenities on Air-conditioned, First Class and Second Class coaches is more than the sale proceeds from the tickets of the passengers travelling in these classes;

(b) if so, the amounts of extra money spent for each class;

(c) whether less amount for the himilar purposes is spent for III class than the total income from the sale proceeds of tickets for III class passengers; and

(d) if so, the reasons therefor?

THE MINISTER OF RAILWAYS (SHRI C. M. POONACHA): (a) to (d). Data is not available separately of the amount spent on building, maintaining and running each different type of passenger coach for comparison with the earnings from each class of passenger travel.

Manufacture of Barrels

*1009. SHRI SITARAM KESRI: Will the Minister of INDUSTRIAL DEVELOPMENT AND COMPANY